



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—उप-संख्या (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

No. 851

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 28, 1981/फाल्गुन 9, 1902
NEW DELHI, SUNDAY, FEBRUARY 28, 1981/PHALGUNA 9, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जहांगीर मंत्रालय

(अौद्योगिक विकास विभाग)

आयोग

ਜਾਈ ਵਿਲਸੀ, 28 ਫਰਵਰੀ, 1981

कां० छा० 135 (अ)---केन्द्रीय सरकार (उद्योग विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी स्तम्भ (2) से यथावर्ती अस्त्रों के अनुप्रवित उद्योगों में सम्पूर्णोः या अस्त्रः पटसन में विनियमित या उत्पादित उस माल के बरों को विनिर्दिष्ट करती है जिन पर, उस सारणी के स्तम्भ (3) में तस्वीरी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट वरों पर, 1 मार्च, 1981 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम के प्रयोगजनार्थ उपकर के रूप में उत्पाद-शुल्क उत्प्रगति और संग्रहीत किया जायेगा।

सारणी

क० मालों के अग्रे का वर्णन प्रति मीटरी टन उत्पाद-प्राप्ति की दर सं०

1 2 3

1. गलीचा अस्सर 8.75 रु (केवल प्राठनपत्रे पक्षहस्तर
प्रेस)

1	2	3
2. बोरों, गलीबा प्रस्तर और सूती बांदा बस्त्र से भिन्न हैं सियन और पटमन के कपड़े।	7. 50 रु० (केवल मात्र रूपये पचास पैसे)	
3. शोरे	5. 62 रु० (केवल पांच रूपये बासठ पैसे)	
4. सूर	5. 62 रु० (केवल पांच रूपये बासठ पैसे)	
5. रज्जु	3. 75 रु० (केवल तीन रूपये पचहत्तर पैसे)	
6. सूरी बांदा कपड़ा	2. 50 रु० (केवल दो रूपये पचास पैसे)	
7. ऐसे विनिर्माण (उनसे भिन्न जो ऊपर कम से 1 से 6 में विनिर्दिष्ट हैं) जिनमें पटमन की मात्रा कुल भार का 50 प्रतिशत या अधिक हो।	6. 25 रु० (केवल छह रूपये पचचीम पैसे)	

[फा० सं० 8/19/80-एल०पी०]
बी० राय, संयुक्त समिय

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th February, 1981

S.O. 135(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the classes of goods manufactured or produced wholly or in part of jute in the scheduled industry of textiles as mentioned in column (2) of the Table below on which a duty of excise shall be levied and collected as a cess for the purposes of the said Act for a period of one year commencing on the 1st March, 1981 at such rates as are specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Description of class of goods	Rates of duty of excise per tonne
1	2	3
1.	Carpet backing	Rs. 8.75 (Rupees eight and paise seventy-five only).

1	2	3
2.	Hessian and Jute fabrics other than sacking, carpet backing and cotton bagging	Rs. 7.50 (Rupees seven and paise fifty only).
3.	Sacking	Rs. 5.62 (Rupees five and paise sixty-two only).
4.	Yarn	Rs. 5.62 (Rupees five and paise sixty-two only).
5.	Twine	Rs. 3.75 (Rupees three and paise seventy-five only).
6.	Cotton bagging	Rs. 2.50 (Rupees two and paise fifty only).
7.	The manufactures (other than those specified at serial numbers 1 to 6 above) containing 50 per cent or more of jute by weight.	Rs. 6.25 (Rupees six and paise twenty-five only).

[File No. 8/19/80-LP]

B. ROY, Jt. Secy.